तृतीय राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान सम्मेलन

जयपुर, राजस्थान

16-17 दिसंबर 2016

(तृतीया, चतुर्थी कृष्ण पक्ष
मार्ग शीर्ष विक्रम संवत् 2073)

आयोजक :
विज्ञान भारती, राजस्थान

आयोजन स्थल:
राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर

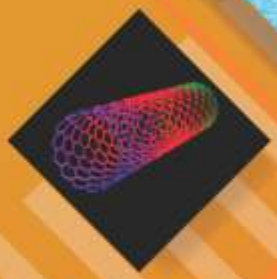

धारणक्षम विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका
(Sustainable Development - Role of Science & Technology)

vibha

अवधारणा

विचार, ज्ञान के सम्प्रेषण में भाषा एक महत्त्वपूर्ण कड़ी है। मातृभाषा इस सम्प्रेषण को मौलिकता देती है, इसे अधिक प्रभावी बनाती है। मातृभाषा व्यक्तित्व को भी प्रभावशाली बनाती है और इसका उपयोग व्यक्ति के सम्प्रेषण को आत्मविश्वास देता है। मातृभाषा का उपयोग हमें अपनी संस्कृति से जोड़ने उसके इतिहास को जानने और अपनी प्राचीन धरोहर पर गर्व करने में भी सहयोग करता है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के द्वारा समाज को उन्नत मार्ग दिखा पाने में भी मातृभाषा की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

विज्ञान भारती (विभा) के कुछ प्रमुख उद्देश्यों में से एक, भारतीय भाषाओं में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के अध्ययन का आग्रह, वैज्ञानिक सोच और शोध को बढ़ावा मिले उसके लिये वातावरण का निर्माण करना और इस दिशा में कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करना है।

राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान सम्मेलन इसी दिशा में विभा की अनवरत साधना का एक पड़ाव है। जिसके माध्यम से समाज के अधिक से अधिक बंधुओं तक पहुँच पायें, भाषा के गतिरोध के कारण पनपने वाली उनकी कुंठाओं को दूर कर पायें और उनकी मौलिकता को मंच मिले, यही विभा का प्रयास है।

विज्ञान भारती राजस्थान, जयपुर प्रान्त को इस वर्ष तृतीय राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान सम्मेलन को जयपुर शहर में आयोजित करने का अवसर मिला है। विगत दो वर्षों में भोपाल तथा ग्वालियर में सफलतापूर्वक यह आयोजन किया गया। द्वितीय राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान सम्मेलन को पिछले वर्ष ग्वालियर में 11-12 दिसंबर 2015 को सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में लगभग 250 से ज्यादा शोध पत्र प्रस्तुत किये गए।

विज्ञान भारती एक संक्षिप्त परिचय

विश्व पटल पर भारत का एक कल्याणकारी राष्ट्र के रूप में उत्कर्ष हो इसके लिए हमारा राष्ट्र अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन चुनौतियों की विशिष्ट प्रकृति को देखते हुए, भारतीय सांस्कृतिक विरासत से सामंजस्य रखते हुए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हो, तब ही इन चुनौतियों का सामना किया जा सकता है। इस संदर्भ में, विज्ञान भारती जो कि स्वदेशी भावना के साथ एक विज्ञान आन्दोलन है, की एक बड़ी भूमिका है। स्वदेशी विज्ञान आंदोलन, भारतीय विज्ञान संस्थान (बैंगलोर) में प्रोफेसर के.आई. वासु के मार्गदर्शन में कुछ प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा शुरू किया गया था। इस आन्दोलन ने धीरे-धीरे गति पकड़ ली और यह राष्ट्रीय संगठन के रूप में उभरा। अक्टूबर 1991 में इस आन्दोलन को अखिल भारतीय स्तर पर शुरू करने का निर्णय लिया गया और इसे Vijnana Bharati (विज्ञान भारती) का नाम दिया गया। भारत में आज विभा की 23 प्रान्तों में स्वतंत्र इकाईयां हैं और 4 प्रान्तों में संपर्क कार्य है। यह स्वायत्त संस्थाओं, संगठनों और स्वतंत्र परियोजना संस्थाओं के माध्यम से 11 विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहा है।

"मेरा विश्वास है कि अगले दो दशक में विज्ञान के मूल काम हमारी भाषाओ में आने शुरू हो जायेंगे, तब हम जापानियों की तरह आगे बढ़ सकेंगे।"

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

राजस्थान विश्वविद्यालय - परिचय

राजस्थान विश्वविद्यालय राजस्थान के सबसे पहले स्थापित उच्च शिक्षा संस्थानों में से एक है। इसकी स्थापना 8 जनवरी 1947 को राजपूताना विश्वविद्यालय के रुप में हुई। यह ज्ञान का एक महत्त्वपूर्ण केन्द्र है। जहाँ शिक्षण और शोध के उच्चतर मापदण्डों को हासिल करना एक लक्ष्य रहा है। राजस्थान विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को ज्ञानार्जन हेतु प्रेरित करने के लिये सदैव तत्पर रहा है और सजगता से सभी के लिये एक ऐसा माहौल देने के लिए कटिबद्ध है जो देश व समाज को सुयोग्य नागरिक दे सके। हाल ही में राजस्थान विश्वविद्यालय को रा.मू.प्र.प. (NAAC) द्वारा वर्ष 2016 के लिये 'ए' ग्रेड की मान्यता दी गई है।

ऐतिहासिक जयपुर

सवाई जयसिंह द्वारा स्थापित एवं मिर्जा इस्माइल द्वारा प्रारूपित जयपुर शहर भारतवर्ष के प्राचीन शहरों में से एक है जो अपनी उत्कृष्ट वास्तुकला, शिल्पकला एवं जल-संरक्षण संरचनाओं के कारण स्वयं को एक अभिनव उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करता है। 'गुलाबी नगर' जयपुर ने अपनी प्राचीन विरासत को संजोते हुए आधुनिक ज्ञान-विज्ञान को आत्मसात् किया है। यहाँ एक ओर जंतर-मंतर वेधशाला है जिसका उपयोग आज भी मौसम व वर्षा का अनुमान लगाने के लिए होता है, वहीं एम.एन.आई.टी. जैसा आधुनिक विज्ञान एवं तकनीकी संस्थान भी है जो अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में कई नवाचार प्रस्तुत कर रहा है।

सम्मेलन मुख्य रूप से निम्नलिखित दो भागों में विभाजित होगा

परिचर्चा:

हिंदी भाषा में
शोध पत्र लेखन एवं
विज्ञान शिक्षण

पर्यावरण संरक्षण,
संतुलन एवं इससे जुड़े मुद्दे

भारत के ग्रामीण एवं
वनवासी क्षेत्रों की जीवनशैली

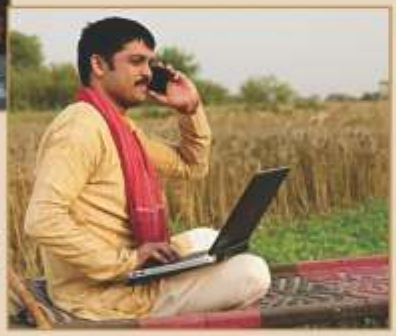

आधुनिक नवाचारों का
भारतीय समाज के लिए उपयोग

शोध पत्र प्रस्तुतिकरण:

पर्यावरण
- पर्यावरण एवं सम्बंधित समस्याएँ
- जल प्रबंधन
- ऊर्जा प्रबंधन
- खनिज संसाधन एवं पदार्थ विज्ञान
- आपदा प्रबंधन

विज्ञान एवं तकनीकी
- अभियांत्रिकी
- भवन एवं वास्तु विज्ञान
- सामुद्रिक संसाधनों का प्रबंधन
- ग्रामीण विकास विज्ञान
- कृषि विज्ञान
- बागवानी एवं वानिकी
- पशुपालन पशु चिकित्सा विज्ञान
- खाद्य एवं डेयरी उत्पाद

वैज्ञानिक विरासत
- वैदिक विज्ञान, गणित
- आयुर्विज्ञान एवं योग विज्ञान
- पुरातत्व विज्ञान

मूलभूत विज्ञान
भौतिक शास्त्र | रसायन शास्त्र | गणित शास्त्र | प्राणि शास्त्र
वनस्पति शास्त्र | भू विज्ञान | खगोल शास्त्र

प्रगत् प्रौद्योगिकी
जैव प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी एवं नैनो प्रौद्योगिकी

शोध पत्र आमंत्रण

शोधार्थियों से केवल हिंदी भाषा में (सारांश-अधिकतम 200 शब्द, यूनिकोड/कृति देव 010/मंगल, फॉन्ट साइज-12, ए-4 पेज, एमएस वर्ड (MS Word), सिंगल स्पेस में एक इंच मार्जिन चारों तरफ) शोध पत्र/पोस्टर निर्धारित तिथियों तक, शोधार्थी का नाम, मोबाइल नम्बर व पते, विषय, शीर्षक सहित ई-मेल **rhvsjaipur2016@gmail.com** पर आमंत्रित हैं। पोस्टर/शोध पत्र प्रकाशन के लिए निर्धारित अंतिम तिथि तक शोधार्थी द्वारा पंजीयन करवाया जाना अनिवार्य है।

चयनित शोध पत्रों का प्रकाशन अन्तर्राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी शोध पत्रिका ISSN-2455 : 2895 में किया जाएगा

महत्वपूर्ण तिथियाँ

सारांश प्रेषण:	नवम्बर 20, 2016 तक
सारांश स्वीकृति :	नवम्बर 25, 2016 तक
पूर्ण शोध पत्र प्रेषण:	दिसम्बर 10, 2016 तक
पंजीकरण:	अक्टूबर 21, 2016 से प्रारंभ
पंजीयन शुल्क: (अप्रतिदेय)	➢ सामान्य प्रतिभागी, शोधपत्र प्रस्तुतकर्ता शुल्क रू. 1000/- (10 दिसम्बर 2016 तक) ➢ आजीवन विभा सदस्य शुल्क रू. 500/-

नोट: नियत तिथि (10 दिसम्बर 2016 तक) के पश्चात पंजीयन शुल्क रु 1500/- पंजीयन शुल्क नगद या बैंक के माध्यम से स्वीकार्य होगा (चैक मान्य नहीं होगा)

पंजीयन शुल्क/आवास शुल्क निम्न बैंक खाते में जमा करवाया जा सकता है -

बैंक खाते का नाम:	VIGYAN BHARATI RAJASTHAN RHVS-2016
खाता संख्या	674701701300
बैंक का नाम:	ICICI Bank
ब्रांच:	Bapu Nagar University Campus, Jaipur IFSC : ICIC0006747
आवास व्यवस्था :	राजकीय/निजी अतिथि गृह/होटल मे कुल व्यय भार लगभग रु 1000-4500/-तक स्वयं के व्यय एवं पूर्व सूचना के आधार पर, अग्रिम राशि रु. 1000/- के भुगतान पश्चात् आयोजकों द्वारा आवास व्यवस्था आरक्षित की जा सकेगी।

तृतीय
राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान
सम्मेलन
जयपुर, राजस्थान
16-17 दिसंबर 2016

समितियाँ

मुख्य संरक्षक

डॉ. विजय पी. भटकर
राष्ट्रीय अध्यक्ष, विज्ञान भारती

संरक्षक

श्री कालीचरण सराफ
माननीय मंत्री, राजस्थान
(उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा,
संस्कृत शिक्षा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग)

डॉ. अरूण चतुर्वेदी
माननीय मंत्री, राजस्थान
(सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, सामान्य प्रशासन)

श्री राजेन्द्र सिंह राठौड़
माननीय मंत्री, राजस्थान
(चिकित्सा एवं स्वास्थ्य)

श्री प्रभुलाल सैनी
माननीय मंत्री, राजस्थान (कृषि)

श्री राजकुमार रिणवा
माननीय राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), राजस्थान
(खान, वन एवं पर्यावरण)

प्रो. वासुदेव देवनानी
माननीय राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार), राजस्थान
(प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा,)

श्री जे.पी. सिंघल
कुलपति, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

मागदर्शक मंडल

डॉ. के.आई. वासु
संस्थापक, विभा

श्री ए. जयकुमार
राष्ट्रीय महासचिव, विभा

श्री जयन्त सहस्त्रबुद्धे
राष्ट्रीय संगठन मंत्री, विभा

सलाहकार मंडल

प्रो. कैलाश चन्द्र शर्मा
कुलपति, कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, हरियाणा

प्रो. पी.के. दशोरा
कुलपति, कोटा विश्वविद्यालय, कोटा

प्रो. कैलाश सोढ़ानी
कुलपति, महर्षि दयानन्द सरस्वती विश्वविद्यालय, अजमेर

प्रो. एन. पी. कौशिक
कुलपति, तकनीकी विश्वविद्यालय, कोटा

प्रो. बी.आर. छीपा
कुलपति, स्वामी केशवानन्द राज. कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर

प्रो. संजीव शर्मा
निदेशक, राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर

प्रो. उदय कुमार
निदेशक, मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर

प्रो. बी.एल. चौधरी
अध्यक्ष, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान

प्रो. टी.एन. भारद्वाज
पूर्व कुलपति, कोटा खुला विश्वविद्यालय, कोटा

डॉ. नीरज शर्मा
सलाहकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली

प्रो. एन.के. पाण्डेय
अध्यक्ष, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

डॉ. जे.पी. शुक्ला
प्रमुख वैज्ञानिक, एम्प्री, भोपाल

समन्वय समिति

श्री मधुसूदन बोहरा	प्रो. अश्विनी कुमार
श्री सूर्यनारायण सैनी	प्रो. महेन्द्र श्रीमाली
डॉ. शंकर बाबू	प्रो. रघुनन्दन प्रसाद
डॉ. कमल मिश्रा	प्रो रवीन्द्र पालीवाल
डॉ. उमेश गुप्ता	डॉ. पुरूषोतम परांजपे

आयोजन समिति

अध्यक्ष
प्रो. अशोक नगावत

संयोजक
प्रो. दीपक भटनागर

आयोजन सचिव:
डॉ. मेघेन्द्र शर्मा

समिति सदस्य

प्रो. कैलाश अग्रवाल	डॉ. सुधाकर मिश्रा
प्रो. आर. एन. जाट	डॉ. अमित कोटिया
प्रो. अंशु डांडिया	डॉ. मुकेश शर्मा
प्रो. मंजू शर्मा	डॉ. आसित पांजा
प्रो. रश्मि सिसोदिया	डॉ. हरजीराम चौधरी
प्रो. अनिल माहेश्वरी	डॉ. रितु अग्रवाल
डॉ. विद्या पाटनी	डॉ. अपर्णा पारीक
डॉ. मुक्ता अग्रवाल	श्री गोविन्द नारायण पारीक
डॉ. रामवीर सिंह	श्री शैलेश चन्द्र जैन
डॉ. राजीव सक्सेना	श्री अनुराग पचौरी
डॉ. अल्का शर्मा	डॉ. अवधेश शर्मा
प्रो. बी.के. शर्मा	श्री जय सिंह
प्रो. नरेन्द्र कुमार गुप्ता	श्री रामदयाल चौधरी
डॉ. के.बी. शर्मा	डॉ. सीमा भदोरिया

नोटः
विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन हेतु प्रदर्शनी स्थल पर **10'x10'** की स्टॉल उपलब्ध करवाई जायेगी। इच्छुक वाणिज्यिक/सरकारी/निजी संस्थान, प्रकाशक एवं स्वयंसेवी संस्थायें आयोजन सचिव से 30 नवम्बर 2016 तक सम्पर्क कर सकते है।

सह आयोजक :
- राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर
- मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान सरकार
- माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान

संपर्क सूत्र:

डा. मेघेन्द्र शर्मा 98290 21975
कार्यालय आयोजन समिति
तकनीकी अभिमुख केंद्र
(Centre for Converging Technology - CCT)
राजस्थान विश्वविद्यालय, जे एल एन मार्ग,
जयपुर 302004 (राज.)
दूरभाष: 0141-2700370, 0141-2708623
ई मेल: rhvsjaipur2016@gmail.com
वेबसाइट: www.uniraj.ac.in/rhvs2016

विज्ञान भारती राजस्थान
तृतीय राष्ट्रीय हिन्दी विज्ञान सम्मेलन २०१६

शोध पत्र निवेदन (Call for Papers)

सम्मेलन की विषय-वस्तु

"धारणक्षम विकास में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका"

(Sustainable Development – Role of Science and Technology)

दिसम्बर 16-17, 2016 जयपुर

सम्मानीय विद्वजनों,

हमें यह बताते हुए बहुत हर्ष का अनुभव हो रहा है कि विज्ञान भारती राजस्थान, जयपुर प्रान्त को इस वर्ष तृतीय राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान सम्मलेन को जयपुर शहर में मनाने का अवसर मिला है | विगत दो वर्षों में यह भोपाल तथा ग्वालियर में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया| विज्ञान भारती (विभा) का मुख्य ध्येय - भारत को एक वैभवशाली; समृद्धशाली राष्ट्र के रूप आगे बढ़ते हुए देखने का मार्ग प्रशस्त करना है| भारत के प्रत्येक क्षेत्र तथा वर्ग के उत्थान हेतु विज्ञान और प्रोद्योगिकी का उपयोग हो सके इसके लिये विभा सतत् कार्यरत है | भारतीय संस्कृति और दर्शन के वैज्ञानिक आधार को समझा जाये, स्वदेशी विज्ञान का विकास हो, "आधुनिक विज्ञान" और "भारतीय वांग्मय व् पुरातात्विक साक्ष्य द्वारा प्रदत्त विज्ञान और तकनीकी ज्ञान" का उपयुक्त समन्वय हो, यही विभा के मुख्य उद्देश्य हैं|

तृतीय राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान सम्मलेन के आयोजन का मूल उद्देश्य भी यही है कि विज्ञान का प्रसार भारतीय भाषाओँ में हो जिससे विज्ञान क्षेत्र में हो रहे विकास से सही रूप में भारतीयता का जुडाव हो | आइये हम सभी इस उद्देश्य में भागीदार बनें तथा अपने शोध पत्रों का हिंदी भाषा में प्रस्तुतीकरण कर अपने कार्य को इस राष्ट्र के हर व्यक्ति के लिये उपयोगी बनायें | शोध पत्र निम्न विषयों या किन्हीं भी अन्यान्य विज्ञान क्षेत्रों पर प्रस्तुत किये जा सकेंगे|

विषय सूची

जल प्रबंधन	पर्यावरण एवं सम्बंधित समस्याएँ	वैदिक विज्ञान (वेद, पुराण, उपनिषद्, वैदिक गणित)
ऊर्जा प्रबंधन	कृषि विज्ञान	ज्योतिष विज्ञान
खनिज संसाधन एवं पदार्थ विज्ञान	बागवानी एवं वानिकी	आयुर्विज्ञान एवं योग विज्ञान
अभियांत्रिकी विज्ञान एवं तकनीकी	पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विज्ञान	सामुद्रिक संसाधनों का प्रबंधन
भवन एवं वास्तु विध्या	आपदा प्रबंधन	पुरातत्व विज्ञान
प्रगत प्रोद्योगिकी (जैव प्रोद्योगिकी, सूचना प्रोद्योगिकी एवं नैनो प्रोद्योगिकी)		
मूलभूत विज्ञान (भौतिकी, रसायन शास्त्र, गणित विज्ञान, जीव विज्ञान, वनस्पति शास्त्र, भू विज्ञान, खगोलिकी)		

मुख्य तिथियाँ (IMPORTANAT DATES)

सारांश प्रेषण: नवम्बर 15, 2016 तक	पूर्ण शोध पत्र प्रेषण: नवम्बर 30, 2016 तक
सारांश स्वीकृति: नवम्बर 20, 2016 तक	पंजीकरण: अक्टूबर 21, 2016 से प्रारंभ

लेखकों से **केवल हिंदी भाषा में** (सारांश-अधिकतम 200 शब्द, यूनिकोड/कृति देव 010/मंगल, फॉन्ट साइज़-12, ए-4 पेज, एमएस वर्ड, सिंगल स्पेस, पेज में एक इंच मार्जिन चारों तरफ) शोध पत्र उपरोक्त तिथियों के अनुसार आमंत्रित हैं | कृपया अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें तथा अपने सभी मित्रों तथा सहयोगियों को यह पत्र प्रेषित कर उनसे इस पुनीत कार्य में भागीदारी के लिए निवेदन करें | विस्तार से जानने के लिए हमें 'rhvsjaipur2016@gmail.com' पर संपर्क करें |

चयनित शोधपत्रों का प्रकाशन अन्तराष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रोद्यौगिकी शोध पत्रिका ISSN-2455:2895 में किया जायेगा |

संपर्क सूत्र : डॉ. उमेश गुप्ता (09214021278) डॉ. अमित कोटिया (09414234882)

विज्ञान भारती, राजस्थान

तृतीय राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान सम्मेलन - 2016

राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर, राजस्थान

16-17 दिसंबर, 2016 | **(तृतीया, चतुर्थी कृष्ण पक्ष मार्ग शीर्ष विक्रम संवत् 2073)**

पंजीयन-प्रपत्र

नाम..... पदनाम.....

सम्बद्धता.....

पत्राचार का पता .....

.....

दूरभाष मय एस.टी.डी.कोड .....

मोबाइल नं. .....

ईमेल. .....

शोध पत्र प्रस्तुति (मौखिक/पोस्टर).....

शीर्षक .....

.....

लेखकों के नाम.....

.....

*आवासीय व्यवस्था वांछनीय हाँ.....नही.....आगमन तिथि.....प्रस्थान तिथि.....

(नोट : आवास व्यवस्था दिनांक 15 दिसम्बर, सायं 5 बजे से 18 दिसम्बर, प्रातः 9 बजे तक उपलब्ध होगी)

हस्ताक्षर

पत्राचार हेतु पता–राष्ट्रीय हिन्दी विज्ञान सम्मेलन–2016, Center for Converging Technology (CCT) राजस्थान विश्वविद्यालय
जे.एल.एन मार्ग जयपुर–302004 (राजस्थान) • दूरभाष : 0141–2700370, 0141–2708623
डा. मेघेन्द्र शर्मा : आयोजन सचिव : 9829021975
ईमेल : rhvsjaipur2016@gmail.com • वैबसाइट : www.uniraj.ac.in/rhvs2016

पंजीयन शुल्क हेतु

"VIGYAN BHARTI RAJASTHAN RHVS-2016" के पक्ष में देय **DD/BC** द्वारा जमा करवाया जा सकता है।

पंजीयन शुल्क ऑनलाइन जमा करने हेतु बैंक डिटेल्स

(a) A/c Number : 674701701300
(b) Account Name:- VIGYAN BHARTI RAJASTHAN RHVS-2016
(c) Bank Name :- ICICI Bank
(d) Branch Name : - Bapu Nagar University Campus, Jaipur
(e) IFSC Code : ICIC0006747